भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2089

गुरुवार, 21 दिसंबर, 2023 को उत्तर देने के लिए

गगनयान मिशन के मुख्य उद्देश्य

2089. श्री सतीश चंद्र दूबेः

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता के साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाला विश्व का पहला देश बन गया है; और

(ख) इसरो के गगनयान मिशन के प्रमुख उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है और यह मानव अंतरिक्षउड़ान में भारत की महत्वाकांक्षाओं में किस प्रकार योगदान देगा?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव (69.37° दक्षिण, 32.32° पूर्व) के पास चांदयान-3 के लैंडर मॉड्यूल की सफल मृदु लैंडिंग के साथ ही भारत ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

(ख) गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करना है जिसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को निम्न भू-कक्षा (एलईओ) में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस लाना शामिल है। कार्यक्रम के दायरे में शामिल हैं;

i. निम्न भू-कक्षा में समानव अंतरिक्ष उड़ान का प्रदर्शन।
ii. उपर्युक्त को हासिल करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों और बुनियादी तत्त्वों का निर्माण और अर्हता परीक्षण।
iii. गगनयान कार्यक्रम के समर्थन के लिए मिशन नियंत्रण, संचार नेटवर्क और आवश्यक प्रमोचन कॉम्प्लेक्स सुविधाओं की स्थापना।
iv. समानव अंतरिक्ष उड़ान के प्रदर्शन से पूर्व दो मानवरहित विकासात्मक मिशन संपादित करना।

स्वदेशी समानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता के प्रदर्शन से निम्न भू-कक्षा में सतत मानव उपस्थिति के विजन को गति मिलेगी। गगनयान कार्यक्रम के लिए विकसित की गईं विभिन्न प्रमुख प्रौद्योगिकियां, यथा कर्मीदल मॉड्यूल, जीवन रक्षक प्रणाली, मानव अनुकूल प्रमोचन रॉकेट, आदि अंतरिक्ष में निरंतर मानव उपस्थिति के लिए अधिक जटिल कक्षीय मॉड्यूल और प्रौद्योगिकियों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

***